नव भारत
| संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्त्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी |

आस्था के पर्व पर अव्यवस्था क्यों ?

जगन्नाथ पुरी की रथ यात्रा, जिसे 'चलती हुई आस्था' का महोत्सव कहा जाता है, इस बार श्रद्धा के साथ-साथ अफरा-तफरी और अव्यवस्था की आशंकाओं को भी अपने साथ ले आई.हर साल लाखों श्रद्धालु देश-विदेश से पुरी पहुंचते हैं, भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा के भव्य रथों के दर्शन हेतु. परंतु इस वर्ष यात्रा के दौरान जो भगदड़ मची, उसने एक बार फिर यह प्रश्न उठाया कि क्या हमारी धार्मिक व्यवस्थाएं भीड़ की तीव्रता और श्रद्धा की उमंग के लिए तैयार हैं ? पुरी की गलियों में रथ यात्रा के दिन भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी थी, लेकिन सुरक्षा और मार्ग नियंत्रण में चूक ने स्थिति को बिगाड़ दिया. कई श्रद्धालु घायल हो गए, कुछ बेहोश हुए. अधिकारियों ने दावा किया कि सब कुछ नियंत्रित था, पर जमीनी हकीकत कुछ और ही कह रही थी.

यह घटना सिर्फ पुरी तक सीमित नहीं रही. अहमदाबाद की रथ यात्रा के दौरान एक सजा-संवरा हाथी अचानक बेकाबू हो गया और भगदड़ जैसे हालात बन गए. वहां स्थिति तो संभाल ली गई, लेकिन सवाल ये है कि क्या हम हर बार किस्मत के सहारे आयोजनों को चलाते रहेंगे? पुरी और अहमदाबाद की घटनाएं न केवल स्थानीय प्रशासन के लिए एक चेतावनी हैं, बल्कि उन तमाम शहरों के लिए भी जिनमें निकट भविष्य में बड़े धार्मिक आयोजन होने हैं—विशेषकर उज्जैन और नासिक जैसे शहरों में होने वाले कुंभ मेले. कुंभ मेला कोई सामान्य आयोजन नहीं है, यह लाखों लोगों का एक साथ एकत्र होना है, जिसमें आस्था के साथ जनसामान्य की सुरक्षा और सुविधा भी उतनी ही जरूरी है. इलाहाबाद (प्रयागराज) कुंभ में मची भगदड़ की त्रासदी हम अभी भूले नहीं हैं, जिसमें 30 से अधिक श्रद्धालुओं ने जान गंवाई थी. क्या अब भी हम पहले जैसी ही लापरवाहियां दोहराएंगे ?

यह स्वीकारने का समय आ गया है कि धार्मिक उत्सवों को संचालित करने के लिए अब केवल 'परंपरा और पुलिस' पर्याप्त नहीं है. भीड़ प्रबंधन में आधुनिक तकनीक का समावेश होना चाहिए, जिससे कहां कितनी भीड़ है, कहां दबाव बढ़ रहा है- इसका तुरंत विश्लेषण हो सके. मोबाइल अलर्ट सिस्टम भी होना चाहिए जिसके कारण लोगों को मार्ग बदलने या भीड़ से बचने की चेतावनी मिल सके. केवल पुलिस नहीं, प्रशिक्षित स्वयंसेवक भी तैनात हों, जो भीड़ को समझा सकें और घायल की तुरंत मदद कर सकें. अहमदाबाद की रथ यात्रा में हाथी का बेकाबू होना यह दर्शाता है कि भीड़, शोर और गर्मी में पशु भी असहज हो जाते हैं. धार्मिक आयोजनों में पशुओं का उपयोग अब एक बार फिर समीक्षा के घेरे में आना चाहिए. परंपरा अपनी जगह है, लेकिन समय के साथ संवेदनशीलता और व्यावहारिकता को प्राथमिकता देना आवश्यक है. मध्यप्रदेश के उज्जैन और महाराष्ट्र के नासिक में आगामी वर्षों में कुंभ मेले आयोजित होंगे. ये आयोजन धार्मिक गौरव के साथ-साथ प्रशासनिक कौशल का भी इम्तिहान होंगे. इन दोनों शहरों को अभी से तैयारी करनी होगी. स्थायी बुनियादी ढांचे के निर्माण, भीड़ मार्ग निर्धारण, आपदा प्रबंधन अभ्यास और नागरिक सहभागिता को लेकर. धार्मिक आयोजन केवल पूजा-पाठ का मंच नहीं होते, वे हमारी सांस्कृतिक और सामाजिक जिम्मेदारियों का भी प्रतिबिंब हैं. जब लाखों लोग एक साथ किसी उद्देश्य से एकत्र होते हैं, तो वहां केवल भावना नहीं, बल्कि अनुशासन और प्रबंधन की भी पूजा होनी चाहिए.

यदि पुरी की रथ यात्रा, अहमदाबाद की घटना और अतीत की त्रासदियां हमें यह नहीं सिखा पा रहीं कि आस्था की रक्षा के लिए व्यवस्था का कड़ा ढांचा चाहिए, तो हम अपने भविष्य के आयोजनों को केवल संयोग के भरोसे छोड़ रहे हैं.धार्मिक आयोजन भारत की आत्मा हैं. लेकिन यह आत्मा तभी सुरक्षित और सशक्त रह सकती है जब उसे एक संगठित और संवेदनशील व्यवस्था का शरीर मिले. हमें यह समझना होगा कि श्रद्धालुओं की भीड़ भी उतनी ही पवित्र है जितने कि भगवान !

विंध्य की डायरी

कांग्रेस के सृजन अभियान से विन्ध्य में राजनैतिक गरमाहट

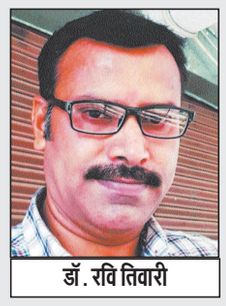

डॉ. रवि तिवारी

वर्षों से उपेक्षित कांग्रेस के कार्यकर्ताओं और नेताओं की पूछपरख बढ़ जाने से विन्ध्य का राजनैतिक माहौल इन दिनों गरमाहट भरा है. दावेदार जहाँ अपने समर्थकों से सतत सम्पर्क में हैं वही नए प्रभावी चेहरे भी संगठन का दायित्व लेने को इच्छुक नजर आ रहे हैं.हालांकि पर्यवेक्षकों ने कही भी अपने पत्ते नही खोले हैं. उन्होंने बिना किसी भेदभाव के जो भी अपनी निष्ठा के साथ दावेदारी जता रहा है उसे यही आश्वासन दे रहे हैं कि उनके नाम पर भी विचार किया जाएगा. अध्यक्ष चयन के आधार सार्वजनिक किए गए हैं .ऐसा लग रहा है कि पर्यवेक्षकों को इससे भी कोई अलग गाइडलाइन दी गई है.वरिष्ठ नेताओं की राय कुछ अलग सुनाई दे रही है.

ऐसा महसूस हो रहा है कि पर्यवेक्षक निचले स्तर तक संगठन की क्या स्थिति है जो वर्तमान में कार्यकर्ता और पदाधिकारी हैं वे पार्टी की सोच के अनुकूल हैं . उनमें विचारधारा का कितना प्रभाव है .इस बात का आंकलन गम्भीरता से किया जा रहा है. ऐसा लग रहा है कि भविष्य में पार्टी के अंदर सिर्फ वे ही प्रभावी भूमिका में रहेंगे जिनके मामले में नीचे से जाने वाली रिपोर्ट ओके होगी.पार्टी भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से किसी भी प्रकार का प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से नाता रखने वालों को जिम्मेदारी देने से बचना चाहती है. इसके अलावा पार्टी परम्परागत कांग्रेसी परिवारों को फिर मौका देकर मुख्य धारा में लाना चाहती है.

बताया गया है कि पार्टी ऐसे व्यक्तियों की तलाश कर रही है जो सभी के बीच अच्छे ढंग से समन्वय स्थापित करने में सक्षम हो यही वजह है कि जहां ऐसे व्यक्तियों की पहचान नही हो पाएगी पर्यवेक्षकों को कई बार आना पड़ सकता है. अब देखना यह है कि ऐसा कहां-कहाँ होता है.

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष का निर्वाचन जुलाई के प्रथम सप्ताह में

सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष के निर्वाचन की प्रक्रिया प्रारंभ होगी.हालांकि अभी खुलकर कोई नाम विन्ध्य से सामने नही आया फिर भी ऐसी सुगबुगाहट है कि इस बार विन्ध्य से भी कोई नाम इस प्रक्रिया का हिस्सा हो सकता है. सतना, रीवा,सीधी,शहडोल में कई ऐसे चेहरे हैं जो प्रदेश अध्यक्ष बन सकते हैं. पिछले दिनों संघ प्रमुख के रीवा प्रवास के दौरान कई ऐसे नेताओं की भेंट उनसे हुई है जो प्रदेश की भावी राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकते हैं.

किसानों के खिले चेहरे

समय पर विन्ध्य में मानसून आ जाने से किसानों के चेहरे में चमक आ गई है .हालांकि नकली खाद,बीज और कीटनाशक बेचने वालो का हथियार बन चुके विन्ध्य के किसानों के घटते उत्पादन को लेकर सरकार की गम्भीरता अभी तक किसी प्रकार से सामने नही आयी है . जिन जांच एजेंसी के पास मामला हैं भी उन्होंने ने भी ऐसी चुप्पी साध रखी है जैसे इस प्रकार के अवैध कारोबार को राजनीतिक संरक्षण प्राप्त हो .बताया जाता है कि कुछ मामले वर्षों पुराने हो चुके हैं उन पर भी कोई कार्यवाही नही हुई है . देखना यह है कि इस बार किसानों को सरकार किस प्रकार से मदद करती है .

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष का नाम चौंकाने वाला

श्याम यादव

> भाजपा का अगला प्रदेश अध्यक्ष कौन होगा या अभी यक्षप्रश्न है. इसका खुलासा 2 जुलाई को होगा. लेकिन, अभी तक जो नाम चर्चा में है उनको लेकर जो कयास लगाए जा रहे हैं, वह भी किसी एक नाम की तरफ इशारा नहीं कर रहे. समझा जा रहा है कि भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व ने मुख्यमंत्री के नाम में जिस चौंकाया था, उसी तरह अध्यक्ष के नाम में भी चौंका सकती है.

भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व ने मध्य प्रदेश में मुख्यमंत्री के चयन के समय जिस तरह डॉ मोहन यादव का नाम सबके सामने लाकर चौंकाया था. उसी तरह प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष का नाम भी चौंकाने वाला होगा. राजनीतिक हलकों में जो नाम तैर रहे हैं, उन्हीं में से कोई मध्य प्रदेश भाजपा की बागडोर संभालेगा. इस बात का खुलासा 2 जुलाई को होगा कि प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की बागडोर किसके हाथ में होगी. लेकिन, जिस तरह से भाजपा में अध्यक्ष पद को लेकर सरगर्मियां तेज हुई, उससे लगता है कि एक बार फिर पार्टी प्रदेश स्तर पर नहीं, इसका फैसला राष्ट्रीय स्तर पर ही करने वाली है.

कहा जा रहा है, कि प्रदेश में भाजपा अध्यक्ष के रूप में ऐसे व्यक्ति की ताशपोशी होगी, जो मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के कदम से कदम मिलाकर चल सके. वैसे भाजपा के वर्तमान प्रदेश अध्यक्ष का कार्यकाल 2023 में ही समाप्त हो गया था. लेकिन, विधानसभा और लोकसभा चुनावों के चलते उन्हें अभी तक पद पर बनाए रखा है.

प्रदेश में सत्ता और संगठन का तालमेल बना होने के कारण पार्टी भी जल्दी नहीं कर रही. लेकिन, अब जबकि राष्ट्रीय अध्यक्ष का भी चुनाव होना है, तो राज्यों के अध्यक्ष तो तय करना ही होंगे. 2 जुलाई को इस पद पर नए नेता की घोषणा संभव है.

इस पद पर वर्तमान अध्यक्ष का कार्यकाल समाप्त होने के बाद से ही पार्टी के कई बड़े नेताओं की नजरें इस कुर्सी पर लगी हुई है. सभी चाहते हैं, कि उनका नाम प्रदेश अध्यक्ष पद पर घोषित हो जाए, ताकि वे अपना शक्ति संतुलन बना सके. ये बात केंद्रीय नेतृत्व भी जानता है. चूंकि राज्य में विधानसभा चुनावों के लिए अभी लम्बा समय है. इस कारण पार्टी बेफिक्री से नए अध्यक्ष की घोषणा अपने हिसाब से कर सकती है.

निवृत्तमान अध्यक्ष विष्णु शर्मा भी फिर मौका पाने की कतार में है, ऐसा भी कहा जा रहा है. लेकिन, 2023 में उनका कार्यकाल समाप्त होने के बाद उन्हें अभी तक पदारूढ किया जा चुका है. इस कारण लगता नहीं है कि उन्हें फिर अवसर मिलेगा. वैसे भी जातीय समीकरण में ब्राह्मण वर्ग से अभी उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल है. भारतीय जनता पार्टी के कई कद्दावर नेता भी इस दौड़ में शामिल हैं, जिनमें प्रदेश के पूर्व गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा जो विधानसभा चुनाव हार गए थे, उनका नाम सबसे आगे चल रहा था. लेकिन, जातीय समीकरण में वे इस पद पर फिट नहीं बैठ रहे हैं.

जातीय समीकरण भी इस चुनाव में एक आधार हो सकता है. ऐसे में लगता है कि पार्टी किसी आदिवासी या पिछड़े नेता को भारतीय जनता पार्टी की बागडोर सौंप दे. कुल मिलाकर अभी कयास ही जारी है, लेकिन भाजपा तो हमेशा चौंकाने वाले ही काम करती आई है. राजनीतिक हलको में कयास तो यह भी लगाया जा रहा है कि चर्चित नामों को छोड़कर कोई नया चौंकाने वाला नाम भी अध्यक्ष पद के लिए घोषित हो सकता है. जितने भी कद्दावर छत्रप हैं, वे सभी मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव से भी कहीं वरिष्ठ हैं.

उनके मंत्रिमंडल में उनसे कहीं अधिक वरिष्ठ छत्रप उनके साथ है. सरकार में सहयोगी बनना और सत्ता और संगठन में समन्वय बैठाना अलग-अलग बात होती है. ये केंद्रीय नेतृत्व भी जानता है. यही कारण है कि प्रदेश में डॉ मोहन यादव के अलावा दूसरा दूसरा केंद्र नहीं बनाना चाहेगी. यही कारण था जब ज्योतिरादित्य सिंधिया, नरेंद्र सिंह तोमर और अन्य नेताओं को अलग-अलग जवाबदारियां सौंपकर नए डॉ मोहन यादव को सत्ता सौंपी गई थी. हो सकता है इस बार भी ऐसा ही हो. लेकिन, जो नाम अब तक सामने आए है उनमें नरोत्तम मिश्रा, हेमंत खंडेलवाल, फग्गन सिंह कुलदस्ते, डॉ सुमेर सिंह सोलंकी और लाल सिंह आर्य के नाम शामिल है.

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं)

ट्रेन किराए में वृद्धि, यात्री सुरक्षा जरूरी

रेलवे अनेक वर्षों बाद यात्री ट्रेनों का किराया 1 जुलाई से बढ़ाने जा रही है 2013 और फिर 2020 में की गई किराया वृद्धि की तुलना में इस बार सामान्य सी वृद्धि होगी. 500 किलोमीटर तक की साधारण द्वितीय श्रेणी यात्रा तथा उपनगरीय व सीजन टिकटों में दर वृद्धि नहीं होगी. अल्प आयवाले यात्रियों पर किराया वृद्धि का असर नहीं पड़ेगा. बताया गया है कि रेलवे कई वर्षों से राजस्व की कमी से जूझ रही है. 2014 से 2025 वित्त वर्ष के बीच सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) 194 प्रतिशत बढ़ा है लेकिन यात्री किराए में 100 प्रतिशत तथा मालभाड़े में 90 प्रतिशत के आसपास वृद्धि हुई है. 2025-26 के लिए यात्री किराए से 92,800 करोड़ रुपए आय का लक्ष्य रखा गया है लेकिन उसकी तुलना में कमाई कम है. रेलवे के आधारभूत ढांचे को विस्तारित व अपग्रेड करना भी जरूरी है इस दौरान प्रीमियम पैसेंजर सर्विस देने की योजनाएं हैं. डेडीकेटेड फ्रेट कॉरिडोर से चौगुनी तेजी से दुमंजिला कंटेनर से माल ढुलाई शुरू हो गई है.

आगामी 6 वर्षों में लॉजिस्टिक्स में 35 प्रतिशत शेयर का लक्ष्य है. यद्यपि ट्रकों की तुलना में आधी लागत में रेलवे माल ढुलाई करती है लेकिन अंतिम छोर पर कनेक्टिविटी की समस्या है. असली मुद्दा रेलवे में बुनियादी सुधारों व सुरक्षा का है. लगभग 10,000 रेलवे इंजिन टक्कर विरोधी कवच प्रणाली लागू होने की राह देख रहे हैं. लोको पायलट व अन्य कर्मचारियों की भी समस्याएं हैं. वंदे भारत, नमो भारत के अलावा राजधानी एक्सप्रेस प्रायः निर्धारित समय पर चलती है लेकिन लंबी दूरी की एक्सप्रेस व अनेक गाड़ियां आज भी लेट चलती हैं. छठ जैसे त्यौहारों पर उत्तर भारत जानेवाली ट्रेनों में लाखों लोगों की भीड़ उमड़ पड़ती है. मध्य रेल की लोकल ट्रेनों तथा मेल-एक्सप्रेस के लिए अलग या स्वतंत्र ट्रैक की कमी है. 15 डिब्बों की लोकल का मुद्दा लटका हुआ है. लगभग 70 लाख लोकल यात्रियों को सुविधा की आवश्यकता है. रेल सुरक्षा सर्वाधिक महत्वपूर्ण है क्योंकि 2022 में 23,139 रेल से संबंधित हादसे हुए जिनमें 20,792 लोगों की मौत हुई.

निशानेबाज

मत रखो कोई भी टेंशन लेते रहना मोटिवेशन

पड़ोसी ने हमसे कहा, निशानेबाज, हम चाहते हैं कि आप हमें प्रेरणा दें और उत्साह बढ़ाएं ताकि हम कर्मठता और जोश के साथ अपना काम कुशलतापूर्वक पूरा कर सकें. हमें मोटिवेशन की सख्त जरूरत है.

हमने कहा, आप मोटे ताजे हैं और आपका वेट या वजन भी काफी है, फिर आपको मोटिवेशन की क्या जरूरत है. आपको पतला होना है तो जिम में जाकर पिलाटे कीजिए.

पड़ोसी ने कहा, निशानेबाज, हम चाहते हैं कि आप हमें डिप्रेशन से बाहर निकालकर मोटिवेशन देकर एनर्जेटिक बनाइए. क्या इसके लिए डेल कानेंगी, स्वेट मार्डेन, टाफलर, शिव खेड़ा जैसे लेखकों की पुस्तकें पढ़े?

हमने कहा, आपकी समस्या का इलाज किताबें नहीं हैं. आप कुछ प्रेरणादायी फिल्मी गीत सुनिए. यदि गा सकते हों तो कराओके पर बैकग्राउंड म्यूजिक लगाकर इन गीतों को गाइए फिर देखिए कि क्या असर पड़ता है. पहला गीत है- गम नहीं कर, मुस्कुरा, जीने का ले ले मजा ! दूसरा गीत है- अपने लिए जिए तो क्या जिए, तू जी ऐ दिल जमाने के लिए !

तीसरा गीत है किसी की मुस्कुराहटों पे हो निसार, किसी का दर्द मिल सके तो ले उधार, किसी के वास्ते हो तेरे दिल में प्यार, जीना इसी का नाम है ! यदि आपको लगता है कि जिंदगी की बाजी हार गए हैं तो एक और चांस जरूर लीजिए. इसके लिए यह गाना आपको मोटिवेट कर सकता है- तदबीर से बिगड़ी हुई तकदीर बना ले, अपने पे भरोसा है तो एक दांव लगा ले !

पड़ोसी ने कहा, निशानेबाज, हमें तो ऐसा लगता है कि जिंदगी क्या है, गम का दरिया है ! जिंदगी का फासला टेक आफ और लैंडिंग के बीच का है. ड्रीम लाइनर विमान के हादसे से हम हक्के-बक्के रह गए.

हमने कहा, नकारात्मक चिंतन छोड़िए. रोज सुबह की नई किरण जीवन का नया संदेश और आत्मविश्वास लेकर आती है. जो अतीत है, वह व्यतीत हो गया. बीती हुई बातों को छोड़ कर आगे की सोच रखें. पाजिटिव थिंकिंग रखिए. मानकर चलिए कि भविष्य में जो भी होगा, अच्छा होगा. अपना आत्मबल मजबूत रख कर कर्मयोग को अपनाइए. दोस्तों की दोस्ती पर भरोसा करते हुए गाइए जब कोई बात बिगड़ जाए, जब कोई मुश्किल पड़ जाए, तुम देना साथ मेरा ओ हमनवाज !

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 11949 - डॉ. सागर खादीवाला

बाएं से दाएं

1.हिमालय, पर्वत की एक चोटी 4. प्रलय, कयामत, झगड़ा (उर्दू) 6. मदिरा (उर्दू) 7. समान, तुल्य 9. अंधकार (सं.) 10. निर्माण (उर्दू) 12. नाव खेना, नाव की सैर 13. लथपथ 14. घर, मकान, मांद, घोंसला 15. नीरस, फीका, जो चिकना न हो 16. अवस्था 19. किसी मंत्र, नाम या वाक्य का बार-बार किया जाने वाला उच्चारण 20. चावल से बनाया जाने वाला एक व्यंजन 21. किसी धार्मिक ग्रंथ का नियमित रूप से आरंभसे अंत तक का पाठ 22. प्रबल, अभिलाषा

ऊपर से नीचे

1. एक पेड़ जिसकी लंबी फल्लियों का गूदा जुलाब के लिए इस्तेमाल किया जाता है 2. गीत गाने का सुंदर ढंग, धुन, ध्यान में लीन होना 3. गुलाम, नौकर, सेवक 5. सार्वजनिक हित के लिए स्वेच्छा से श्रम का निर्माण कार्य में दान देकर सहयोग करना (सं.) 8. बड़े डील डौल वाला, स्थूल शरीर वाला 9. गीला 11. लाट, बहुत ऊंचा और गोलाकार स्तंभ या इमारत 12. नौ लाख का, जड़ाऊ बहुमूल्य 14. सोच समझ कर किया हुआ निर्णय, प्रकाश निदर्शन 16. मध्यस्थ, कुछ पारिश्रमिक लेकर सौदे में सहायता देने वाला व्यक्ति 17. किसी पशु या पक्षी का बच्चा (सं.) 18. होश हवास, अस्तित्व, अहंकार 19. जीत, विजय 20. नदी-नाले के आरपार जाने के लिए बताया

Solution 11948

श	प	थ		क		इ	
म	हा			म	हा	रा	ज
नी	ड़	क		जो	र	दा	र
य		म	दा	री			ता
	पो	ला			आ	क	ही
पा		क्षी	र	सा	ग	र	
टी	ला		वै	ध		मा	था
	ज	ल	या	न		ला	ली

ज्योतिषाचार्य प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में राजनैतिककार्यों में सफलता मिलेगी, नवीन योजनाओं का शुभारंभ होगा, वर्षके मध्यमेंतीर्थ यात्रा या धार्मिक कार्यों में रूचि रहेगी, राज सम्मान मिलेगा, प्रभाव में वृद्धि होगी,वर्ष के अन्त में पारिवारिक चिन्ता से मन विचलित रहेगा, कार्यक्षेत्र में आकस्मिक रूकावटें आयेंगी, धन संकट का सामना करना होगा.

मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों को नवीन योजनाओं मेंवृद्धि होगी, वृष और तुला राशि के व्यक्तियोंको राजसम्मान मिलेगा, प्रभाव में वृद्धि होगी, कर्क राशि के व्यक्तियों को तीर्थ यात्रा करना होगी, धार्मिक कार्यों में रूचि रहेगी, सिंह राशि के व्यक्तियों को पारिवारिक परेशनी से मन विचलित रहेगा, मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों के स्वास्थ्य की चिन्ता हो सकती है, मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों को साहस बना रहेगा, धनु और मीन राशि के व्यक्ति यात्रा प्रवास के शौकीन होते हैं.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक स्वस्थ्य और गौरवर्ण होगा. दुबला पतला फुर्तीला, होगा. अपने मन की बात दूसरों पर जल्दी प्रकट नहीं करेगा. बुद्धिमान और विवेकी होगा. माता पिता का भक्त होगा. इनके मित्रों की संख्या अधिक रहेगी.

मेष- अधिकारी आपकी कार्यशैली से नाराज हो सकते है. अधिनस्थ वर्ग से सहयोग मिलेगा. बेरोजगारों को प्रयास करने पर सफलता मिलेगी.

वृषभ- अधिकारों के लिये संघर्ष करना पड़ सकता है. अविवाहित वैवाहिक कार्य को लेकर उत्साहित रहेंगे. धार्मिक कार्य बनने का योग है.

मिथुन- नये संपर्क संपन्न बीती बातको भूलकर काम में जुट जायें, सफल रहेंगे. अधिक वाक पटुता से काम बिगड़सकता है. पुराने मित्रों का सहयोग रहेगा.

कर्क- आपके विचारों से अधिकारी प्रभावित होंगे. प्रतियोगी परीक्षा में सफलता के आसार है. अचानक लाभ. पूज्यव्यक्ति की सलाह उपयोगी रहेगी.

सिंह- मनचाहा काम मिलने से उत्साह रहेगा. राजकीय कार्य बनाने के आसार हैं. इच्छित कार्य में सफलता मिलेगी. किसी अनसोचे कार्य में व्यस्तता रहेगी.

कन्या- आपको अपने फैसले से पछताना पड़ सकता है. नये कार्य रावणे बढ़ाने में परेशानी होगी. नौकरी में अधिनस्थ वर्ग के असहयोग से काम बिगड़ सकता है.

तुला- नये संपर्क आपकी तरक्की में सहायक रहेंगे. साथी के स्वास्थ्य की चिन्ता रहेगी. मानसिक अस्थिरता रहेगी. व्यापार में प्रगति होगी.

वृश्चिक- जिम्मेदारी नहीं निभाने से परेशानी हो सकती है. विरोधी आरोप लगाने का प्रयास करेंगे. संतान पक्ष की चिन्ता रहेगी. अनुकूल परिस्थितियों का लाभ मिलेगा.

धनु- झूठ बोलकर काम कराने का प्रयास हानिकारक हो सकता है. व्यवसायिक क्षेत्र में सफलता मिलेगी. महत्वपूर्ण कार्य बनेंगे. कम परिश्रम से अच्छी सफलता मिलेगी.

मकर- भाग्योदय के अवसर मिलेंगे. कार्य क्षमता के बल पर अपनी पहिचान बना लेंगे. माता पिता का भक्त सहयोग मिलेगा. मान सम्मान मिलेगा.

कुम्भ- विरोधियों को मात देने में कामयाब रहेंगे. अटके काम पूरे होंगे. धर्म कर्म के प्रति आस्था रहेगी. नवीन योजनाओं का विकास होगा. परिश्रम अधिक होगा.

मीन- विवादास्पद मामलों में समझौता करना पड सकता है, रोगी की चिन्ता रहेगी. अतिथि रावणमन होगा. इष्ट मित्रों का सहयोग मिलेगा.

उदयकालीन ग्रह चाल

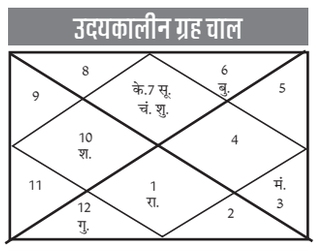

पंचांग

रा.मि. 10 संवत् 2082 आषाढ़ शुक्ल षष्ठी भौमवासरे दिन 12/11, पूर्वाफाल्गुनी नक्षत्रे दिन 11/29, व्यतिपात योगे रात 8/17, तैतिल करणे सू.उ. 5/13 सू.अ. 6/47, चन्द्रचार सिंह शाम 5/54 से कन्या, शु.रा. 5,7,8,11,12,3 अ.रा. 6,9,10,1,2,4 शुभांक- 7,9,3.

व्यापार भविष्य

आषाढ़ शुक्ल षष्ठी को पूर्वाफाल्गुनी नक्षत्र के प्रभाव से सोना, चांदी, तांबा, पीतल, लोहा, निकल, आदि वस्तुओं में नरमी की चाल चलेगी. सरसों, अरंडी, अलसी, मूँग, मोठ, के भाव में तेजी होगी. जीरा, धनियां, लालमिर्च पूर्ववत रहेंगे. भाग्यांक 1487 है.

SUDOKU 7081

6	9			7	4		8	
	8	5	6	2			4	9
7						6		3
	3	9	5				1	
1				8				5
	6				2	9	3	
4		7						2
8	2			5	9	1	7	
	1		2	3			5	8

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सू-डोकू 70780

6	5	3	9	1	7	2	8	4
9	1	8	2	6	4	3	7	5
7	4	2	5	3	8	1	9	6
3	7	1	6	9	2	4	5	8
8	6	9	1	4	5	7	2	3
5	2	4	8	7	3	9	6	1
2	9	5	4	8	1	6	3	7
4	3	6	7	5	9	8	1	2
1	8	7	3	2	6	5	4	9